

when he went to the Delhi University, made the appeal that politics should not enter there, if the Prime Ministers appeal is not binding on others, at least we expect it to be binding on the members of his party. Sir, the Statesman today has given a very impartial version of the entire proceedings.

I have two or three suggestions to make. I want to know: why should there be a re-poll when it has been proved beyond doubt that Shri Hari Shankar was winning in the election. Why should there be a total re-poll? The second thing is that the Delhi University has ordered an inquiry into it. It is all very good. Hold an inquiry. But I have a suggestion to make. The person who heads the inquiry should not be from any political party, should have nothing to do with the Delhi Administration, should have nothing to do with the Delhi University. He should be an outsider. (Interruptions) Sir, another suggestion I have to make is.... (Interruptions) | The students interested in academic life will suffer. To avoid that, I have a suggestion that in future let there be decentralised counting of votes. Let every college have its own counting and send a chit to the central authority. This will not involve tension and unruly elements. Sir, please do not allow the students again to become victims because the Police does not take part or because the interested political personalities flout the rules of the Delhi University Students' Union elections. This should not be allowed, and this matter should be looked into.

#### REFERENCE To THE CONSTRUCTION OF KARAKORAM HIGHWAY

MR. CHAIRMAN : Mr. Mathur.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश)  
में सदन का ध्यान...

MR. CHAIRMAN: The subject is Pakistan.

श्री कल्प नाथ राय (उत्तर प्रदेश) :  
यूनिवर्सिटी में जो इलेक्शन हुआ है यह निन्दा का विषय है। इन्होंने जान बूझ कर इस चुनाव में असफल होते हुए देखा। एसा... (Interruptions)  
इस बात की होनी चाहिये।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : बिल्ट पेपर  
चुरा कर के मेडम को दिये गये हैं।

श्री श्याम लाल यादव (उत्तर प्रदेश)  
लाखों रुपये...

MR. CHAIRMAN: Not to be recorded.

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI  
(Uttar Pradesh) ; Why is he speaking now?

SHRI SHYAM LAL YADAV (continued  
to speak)

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI:  
Whatever he has said should be removed  
from the record. It is for the Chair. You  
cannot speak without permission.

MR. CHAIRMAN: It is not being recorded.  
Nobody should speak. Let Mr. Mathur speak  
now. You kindly start.

SHRIMATI AMBIKA SONI (Punjab) :  
They pollute the entire atmosphere.

MR. CHAIRMAN: That is all right.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : इस बात का  
सबूत है कि मैडम के पास उन लोगों ने बिल्ट  
पेपर चुरा कर के दिये हैं।

में इस सदन का ध्यान उस सड़क की ओर  
दिलाना चाहता हूँ जो अभी चीन और पाकिस्तान  
ने मिल कर बारकन्द और स्कार्ट के बीच में  
बनाई है। इनका समाचार इन्टरनेशनल के माध्यम  
से...

SHRI SHIVA CHANDRA JHA (Bihar) : A  
point of order.

MR. CHAIRMAN: Where is the point of  
order? There is no point of order.

श्री शिव चन्द्र झा : इस काल अटेंशन के लिये मैंने कल खाना नाम दिया था। लेकिन आपने रिजैक्ट कर दिया और आज खाने वही काल अटेंशन फिर लिया है।

MR. CHAIRMAN: There is no point of order.

श्री शिव चन्द्र झा : इस विषय पर...

MR. CHAIRMAN: You are also there on the list today. What am I to do? You are giving daily at least two or three notices. Please hear me. You are the one Hon. Member who is not failing to give at least two or three notices daily. Today also I have given you an opportunity, and I will call you.

SHRI SHIVA CHANDRA JHA : I gave notices on different subjects.

MR. CHAIRMAN: You will have varieties.

SHRI B. SATYANARAYAN RED-DY (Andhra Pradesh) : I gave a notice only once, but you rejected it. He gives so many notices every day.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : इंटेलिजेंस के माध्यम से अभी गत सप्ताह समाचार मिला है कि यह सड़क चीन की मदद से बनाई जा रही है और इसका खर्चा मुख्यतः चीन स्वयं बर्दाश्त करेगा। इसी के साथ-साथ सिकोंग से लेकर और यारकंद तक एक एयरलाइन्स की भी सविस्तर शुरू की जायेगी और एक हवाई अड्डा यारकंद के पास बनाया जायगा। इसका खर्चा भी चीन देगा। मैं ध्यान दिलाना चाहता हूँ कि यह बड़ा शोध है जो 1959 में चीन ने भारत के कश्मीर के हिस्से में से छीना था। उस वक्त दूसरे सदन में हमारे प्रधान मंत्री पं० जवाहर लाल नेहरू ने कहा था कि—नोट अ ब्लड आफ ग्लान गोज—यही वह इलाका है। उसी इलाके को चीन ने दबाया और 1963 के अन्दर चीन और पाकिस्तान का समझौता हुआ जिस में 750 वर्गमील हिस्सा पाकिस्तान को मिला। उस समय की हमारी गलती आज हमको भुगतनी पड़ रही है। मैं सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ कि अभी कुछ अरसा पहले एक और सड़क कराकोरम पर बनायी गयी थी और आज एक और सड़क बनायी गयी है जिस से हमारी सीमाओं पर खतरा पैदा हो गया है। क्या हम इस सड़क के बनाने के संबंध में—सड़क अभी बननी शारम्भ

हुई है—किसी प्रकार चीन सरकार का ध्यान आकर्षित करके, ऐतराज करके, इन को बनने देने से रोक सकते हैं? यदि रोक जाय तो हमारी सीमाओं की सुरक्षा के संबंध में कुछ सहायता मिलेगी।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही (उत्तर प्रदेश) : इसी विषय पर मुझे भी कहना है लेकिन उस का अपनी सरकार की मौजूदा विदेश नीति के संदर्भ में कहना है, कि इस समय कहा जा रहा है कि चीन हम से दोस्ती करना चाहता है। अभी स्वैच्छन थावर के दमियान में हमारे पांडे जी ने कहा था कि क्यों चीन से सीमेंट नहीं मंगवाते हो? हमारे प्रधान मंत्री जी और हमारे विदेश मंत्री जी ने कहा कि चीन दोस्ती का हाथ बढ़ा रहा है। श्रीमन्, मेरी समझ में बात यह साफ आती है कि यह चीन और अमरीका की साविन है। इस समय जब उनका अगड़ा रुस से चल रहा है तो वह हिन्दुस्तान से यह जाहिर करना चाहता है कि हिन्दुस्तान से वह दोस्ती चाहते हैं। अस्तित्व में चीन हिन्दुस्तान से दोस्ती नहीं चाहता है, चीन केवल समय के अनुसार रुस के खिलाफ एक मोर्चा बनाना चाहता है, उस मोर्चे में अमरीका शामिल है, उस मोर्चे में वह हिन्दुस्तान को भी शामिल करना चाहता है। एक तरफ से हिन्दुस्तान से दोस्ती की बात करता है और दूसरी तरफ हमारी पूर्वी उत्तरी सीमा के विद्रोही लोगों को ड्रेड कर के अपने वहाँ से भेजता है विद्रोह कराने के लिए। और यह दूसरा और तीसरा उदाहरण है, एक सड़क अभी बन चुकी है और दूसरी सड़क जैसा हमारे लायक दोस्त ने कहा तिनपांग और यारकंद के बीच 50 करोड़ रुपये की लागत से बन रही है। सारा खर्च चीन दे रहा है। इसका इस्तेमाल चीन और पाकिस्तान मिल कर हिन्दुस्तान के खिलाफ फौजी तैयारी में करेंगे। यह सड़क 19,000 फुट की ऊँचाई पर बन रही है और इस सड़क पर भारी तोप गाइडों, टैंक और ट्रक चलेंगे, इस का विशेष हतजाम किया जा रहा है। श्रीमन्, जैसा मेरे लायक दोस्त ने कहा, वहीं उस के पास ही से स्कार्ट से लेकर यारकंद तक हवाई सेवा के लिए भी, हवाई फौज के इस्तेमाल के लिए, स्कार्ट में एक हवाई अड्डा भी बनाया जा रहा है। उसका भी सारा खर्चा चीन दे रहा है। पाकिस्तान ने सारी हवाई फौज की तैयारी कर रखी है और धागे कर रहा है और खर्चा चीन दे रहा है। क्या इस से जाहिर नहीं है कि यह रुस के खिलाफ मोर्चाबंदी हो रही है? चीन यह मोर्चाबंदी कर रहा है और अपनी साविन में हिन्दुस्तान को भी फंसाना चाहता है? अभी यह जप जाहिर है कि हमारे मित्र सुझाव्यम स्वामी के अमरीका से मोटे संबंध हैं और चीन ने उन्हें अमर्जित किया है अपने वहाँ (Interruptions) उन्हीं को नहीं उनकी पत्नी को भी अमर्जित किया है, अपने खर्च पर अमर्जित किया है, चीन के खर्च पर अमर्जित किया है। श्रीमन्,

मैं यह कहना चाहता हूँ कि चीन हमारे यहाँ देश में ऐसे लोगों को पैदा कर रहा है जो हिन्दुस्तान के खिलाफ, हिन्दुस्तान के इंटरेस्ट के खिलाफ चीन की वकालत करे। 1962 की लड़ाई में हम ने देखा था कि जिस समय चीन ने हमारे देश पर हमला किया उस समय भी हमारे देश में लोग मौजूद थे कि जो चीन की वकालत कर रहे थे और यह कह रहे थे कि हिन्दुस्तान ने चीन पर हमला किया है। चीन ने हमारे ऊपर हमला किया था लेकिन हमारे देश में ऐसे लोग मौजूद थे कि जो दलील दे रहे थे कि हमारे देश ने ही चीन पर हमला किया है। आज यह साजिश फिर चल रही है। उस समय हिन्दी चीनी भाई-भाई का नारा लगा कर हमारे देश की पीठ में छुरा भोंका गया था। आज फिर वही नारा शुरू होने जा रहा है। मैं साफ कहना चाहता हूँ कि यह साजिश हम लोग फिर कामयाब नहीं होने देंगे। चीन की दगाबाजी को दोस्ती कलने नहीं पायेगी। इस लिये मैं सरकार का ध्यान इस तरफ आकृष्ट करता हूँ कि सरकार चीन के साथ बात चीत करने में सावधान रहे हमारे विदेश मंत्री जो चीन जाने वाले हैं, वह अपनी बात चीत में इस बात की सफाई करें कि क्या सच है कि पाकिस्तान की फौजों तैयारियाँ, उस के इंस्टालेशन, उस के फौजी हवाई अड्डे चीन के खर्च से बनाये जा रहे हैं। किस के खिलाफ यह तयारी हो रही है। आकपाइड काश्मीर में अगर तैयारियाँ होती हैं तो वे किस के खिलाफ होती हैं। इस मुल्क के लोग अब इतने गुमराह होने वाले नहीं हैं। इस लिये श्रीमान्, मैं निवेदन करता हूँ कि हमारे मंत्री जो, जो यहाँ बैठे हुए हैं वह सरकार का विशेष ध्यान इस तरफ आकृष्ट करें और सदन को और देश को संतुष्ट किया जाय इस मामले पर।

श्री रामेश्वर सिंह (उत्तर प्रदेश): इस पर प्रश्न करने के लिए हमें समय दिया जाय।

MR. CHAIRMAN: Supplementaries are not allowed on Special Mentions.

#### REFERENCE TO PAKISTANI INFILTRATION IN THE POONCH AND RAJOURI SECTORS

श्री शिव चन्द्र शा (बिहार): मैं आप के जरिये इस सदन का ध्यान एक बहुत गंभीर विषय की ओर ले जाना चाहता हूँ। और वह यह है कि पाकिस्तानी फौजों ने एकचुल्ल लाइन आफ कंट्रोल, पंछ और राजौरी एरिया जम्मू और काश्मीर का जो है उस में बराबर फायरिंग करना जारी रखा है। दूसरी दफा फायरिंग चालू हुई है उस की खबर करीब करीब सभी अखबारों में आ गयी है। मैं सिर्फ टाइम्स आफ इंडिया में जो निकला है उस को पढ़ कर आप को सुनाता हूँ।

"Pakistani troops again resorted to unprovoked firing across in the line of actual control in the Rajouri sector early this week, according to information available here.

They used machineguns and rifles in the firing on more than one occasion the same day. No casualties on the Indian side have been reported. The Indian side did not return the fire.

There had been more than one incident of firing by Pakistanis last week also."

चण्डीगढ़ ट्रिब्यून और दूसरे अखबारों में भी यह खबर आयी है। इस घटना के बाद बराबर पाकिस्तानी फौजें सीमा पर फायरिंग करती जा रही हैं। और हिन्दुस्तानी फौजें उस का कोई जवाब नहीं दे रही हैं। इस को कुछ ब्रेकडाउन्ड के साथ समझना जरूरी होगा। आप जानते हैं कि अमरीका पाकिस्तान की मदद कर रहा है। फ्रांस ने जो न्यूक्लियर प्रोटेसिंग प्लान्ट की बात को खत्म किया तो अमरीका आगे बढ़ गया और इंडियन एक्सप्रेस में और सभी दूसरे अखबारों में खबर है।

"Pakistan acquires several units of French missiles"

तो न्यूक्लियर प्लान्ट की बात तो खत्म हो गयी लेकिन बड़े बड़े मिसाइल फ्रांस पाकिस्तान को सप्लाई कर रहा है और अमरीका भी सप्लाई कर रहा है। और अमरीका किस नियत से यह सब सप्लाई कर रहा है। वह नीयत साफ है। वह हथियार बेचता है पाकिस्तान को ताकि वह निशाना लगायेंगे हिन्दुस्तान पर। आज के हिन्दुस्तान टाइम्स में कहा है कि दिल्ली हिटिंग रेंज में आ गया है। मैं सिर्फ दो तीन लाइनें पढ़ कर आपको सुनाता चाहता हूँ।

The United States is trying to supply Corsair A7 aircraft on the ground that Pakistan is demanding them to offset India's ground superiority. It is pointed out that Corsair is not a deep strike aircraft, but a ground support fighter and is so used by the United States Navy and Air Force.

उसके आगे उनके एक्सपर्ट्स कहते हैं:

According to these reports that Pakistan has preferred A7 to A10 showed that the target which is in mind is India.